Exam. Code : 103203
Subject Code: 1105

B.A./B.Sc. 3rd Semester

HINDI (Elective)

(Madhyyugeen Kavya, Itihas, Vyakaran Tatha Kavyang)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से एक प्रश्न का चयन करें। पांचवां प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग—अ

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

1. चरन-कमल बंदौ हरि राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे को सब कछु दरसाइ।
बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बंदौं तिहिं पाइ।। 20

2. देवा हमन पाप करन्त अनन्ता, पतित पावन नामु कस हुन्ता।
तोहि-मोहि, मोहि-तोहि अंतर ऐसा, कनक कटिक जल तरंग जैसा।।
मैं नर तुमही अंतरजामी प्रभु, मैं जन तैं जानिये स्वामी।
तुम सबनि में सब तुम माहीं, रैदास दास असमंजस नाहीं।।
20

भाग—ब

प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :—

3. बिहारी का जीवन परिचय लिखिए। 20

4. तुलसीदास के काव्य के आधार पर कवि की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। 20

भाग—स

प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :—

5. आदिकाल की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 20

6. सिद्ध साहित्य का परिचय देते हुए विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 20

भाग—द

प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :—

7. यमक और रूपक अलंकारों के लक्षण सोदाहरण दीजिए। 20

8. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :— 20

विद्यार्थी, देवालय, महेश, हितोपदेश, एकैक, अन्वय, अन्वेषण, नायक, उच्चारण, उज्ज्वल।